>

Title: Need to provide adequate compensation to the victims of Victoria park fire tragedy in Meerut, Uttar Pradesh.

श्री राजेन्द्र अग्रवाल (मेरठ): महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान एक लोक महत्व के एवं संवेदनशील विषय की ओर आकर्षित करना चाहता हूं। दिनांक 10 अप्रैल, 2006 को मेरठ के विक्टोरिया पार्क में ब्रांड इंडिया कंज्यूमर शो में हुए भीषण अग्निकांड में 64 लोगों की मृत्यु तथा 80 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे। मैं आज भी कभी उस दृश्य को याद करता हूं तो बहुत पीड़ा से भर जाता हूं। बिल्कुल काले जले हुए शरीर मेडिकल कॉलेज में पड़े हुए थे, तब विभिन्न राजनीति दलों के नेता मेरठ गए थे। यूपीए की चेयरपर्सन यहां विराजमान हैं, वह भी वहां गयी थीं।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : भारत सरकार से आप क्या चाहते हैं?

श्री राजेन्द्र अग्रवाल : जी, मैं बता रहा हूं।

मृतकों के परिवारों के लिए उस समय आर्थिक सहायता की घोषणा की गयी थी। उत्तर प्रदेश सरकार ने उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश ओ.पी. गर्ग की अध्यक्षता में एक आयोग गठित किया था, जिसने अपनी रिपोर्ट 5 जून, 2007 को दी थी जिसमें कंज्यूमर शो के आयोजकों के साथ-साथ जिला प्रशासन के तत्कालीन अधिकारियों को उक्त दुर्घटना के लिए दोषी पाया गया था तथा उनके लिए दण्ड की संस्तुति की गयी थी। उक्त अग्निकांड के चार वर्ष बीत जाने के बाद भी आज तक कोई आश्वासन पूरा नहीं हुआ है। एक बड़ी पीड़ा की बात मैं यहां बताना चाहता हूं कि एक मृतक श्रीमती मालती तायल, जिनका शव गलती से बदल दिया गया था, जो काला पड़ा हुआ शव था, उसके स्थान पर वह शव चला गया था। जिला अधिकारी तथा जिले के पुलिस अधीक्षक ने इस बात की पुष्टि की थी, लेकिन आज तक भी मालती तायल को मृत घोषित नहीं किया गया है। यह जो हादसा हुआ, इसमें आम आदमी का कोई कसूर नहीं था। प्रशासनिक लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ, लेकिन आज तक कोई मुआवजा किसी परिवार को नहीं दिया गया है। वहां पर दो ऐसे उदाहरण थे - एक, मृतक जावेद और दूसरा, पूजा जिन्होंने अपनी जान देकर अन्य लोगों की जान बचाई थी। उनको कबीर पुरस्कार देने की घोषणा की गयी थी, उसे पूरा नहीं किया गया। मेरा निवेदन है कि सरकार इसमें हस्तक्षेप करे और विक्टोरिया पार्क अग्निकांड पीड़ितों के सहायतार्थ किए गए वायदों पर अमल किया जाए, दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जाए तथा पीड़ितों को उचित मुआवजा दिलाया जाए, मेरा यही आपसे निवेदन है। धन्यवाद।